खेल के माध्यम से हुए एक-दूसरे से परिचित संकाय सदस्यों की दूरी मिटाने अनोखा तरीका

आईआईएम रायपुर का 8वां व्यावसायिक विकास प्रशिक्षण

रायपुर। भारतीय प्रबंधन संस्थान रायपुर द्वारा 8वें व्यावसायिक विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया है, जिसकी शुरूआत सोमवार को हुई। यह कार्यक्रम 24 तारीख तक चलेगा। इसमें हिस्सा लेने के लिए छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक, बिहार, झारखंड, हरियाणा, उत्तरप्रदेश, मद्य प्रदेश, ओडिशा और त्रिपुरा राज्य के इंजीनियरिंग कॉलेजों के प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर, असिस्टेंट प्रोफेसर लगभग 38 प्रतिभागी पहुंचे हैं। इसमें प्रोफेसर एम. कन्नदासन और प्रोफेसर धनंजय बापट इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के कार्यक्रम निदेशक हैं और समन्वयक प्रो. संजीव पराशर हैं। कार्यक्रम के पहले ही दिन प्रतिभागियों ने अट्रेक्टिव गेम्स खेले और एक-दूसरे का परिचय प्राप्त किया। इस खेल के माध्यम से सभी संकाय सदस्यों की दूरी मिटाना ही उद्देश्य था, जिससे वे इस कार्यक्रम में बेहतर रूप से हिस्सा ले सकें।

विजन, मिशन व अन्य बिंदुओं पर हुई चर्चा

कार्यक्रम में प्रो. धनंजय बापट ने विजन, मिशन और अकादमिक लक्ष्य पर चर्चा की, जिसमें आकांक्षाओं को स्थापित करने के महत्व पर प्रकाश डाला गया। इसके अलावा आकांक्षाओं और रणनीति के बीच के संबंध पर प्रकाश डाला गया। इसके बाद प्रोफेसर पंकज सिंह द्वारा प्रभावी सहयोग के लिए निर्माण टीम पर एक सत्र आयोजित किया गया, जिसमें उन्होंने कहा कि यदि आप अपनी टीम निर्माण कौशल पर काम नहीं करते हैं तो प्रभावी रूप से काम करना असंभव है। दिन का अंतिम सत्र प्रोफेसर एम कन्नदासन ने संभाला, जिसमें उन्होंने अकादमिक क्षेत्र में वित्तीय प्रणाली पर चर्चा की। उन्होंने सामान्य वित्तीय नियम, अनुदान सहायता और ऋण, बजट और खातों की पुस्तकों को बनाए रखने के लिए प्रक्रियाओं पर प्रकाश डाला।

Haribhoomi 21 May 2019, P. 17